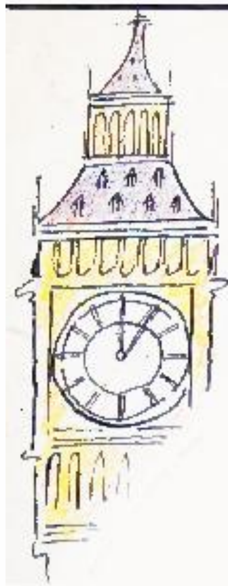
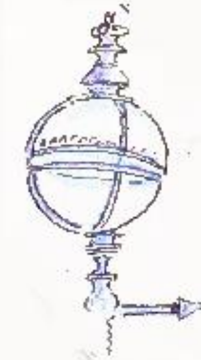


सिरिल और संसद भवन



माइकिल पेलिन

हिंदी: आरती जैन



सिरिल एक साधारण-सा छोटा लड़का है, लेकिन उसमें एक बहुत ही खास शक्ति है। वह केवल देखकर लोगों को किसी भी चीज़ में बदल सकता है!
उसके माता-पिता उसे संसद भवन की सैर पर ले जाते हैं, लेकिन सिरिल को तो मेले में जाना है। बड़ों की बातें सुनना उसे बहुत उबाऊ लगता है, जब तक कि वह उन्हें अजीब-अजीब चीज़ों में बदलना शुरू नहीं कर देता।

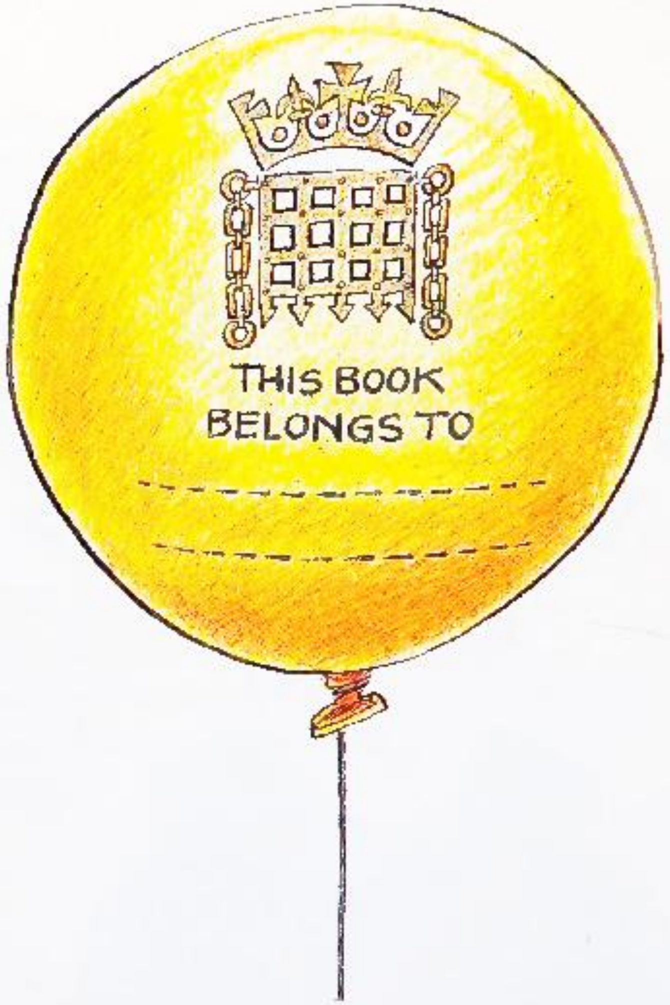
कॉमेडी लेखक और अभिनेता माइकल पेलिन ने यह बहुत ही मज़ेदार और अनोखी पुस्तक लिखी है।

सिरिल और संसद भवन



माइकिल पेलिन

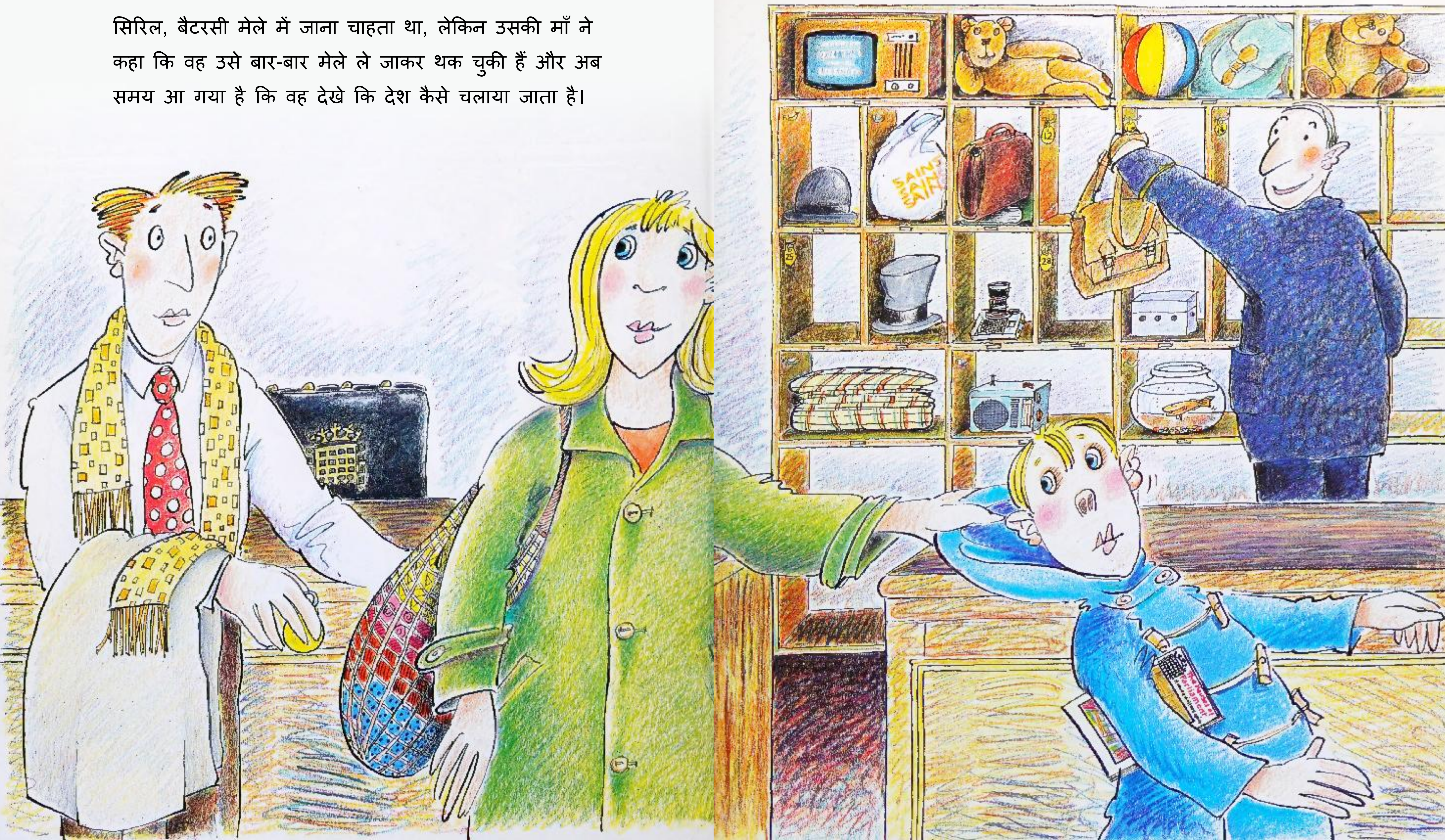
हिंदी: आरती जैन



जब सिरिल आठ साल का था, उसके माता-पिता उसे संसद भवन दिखाने ले गए।



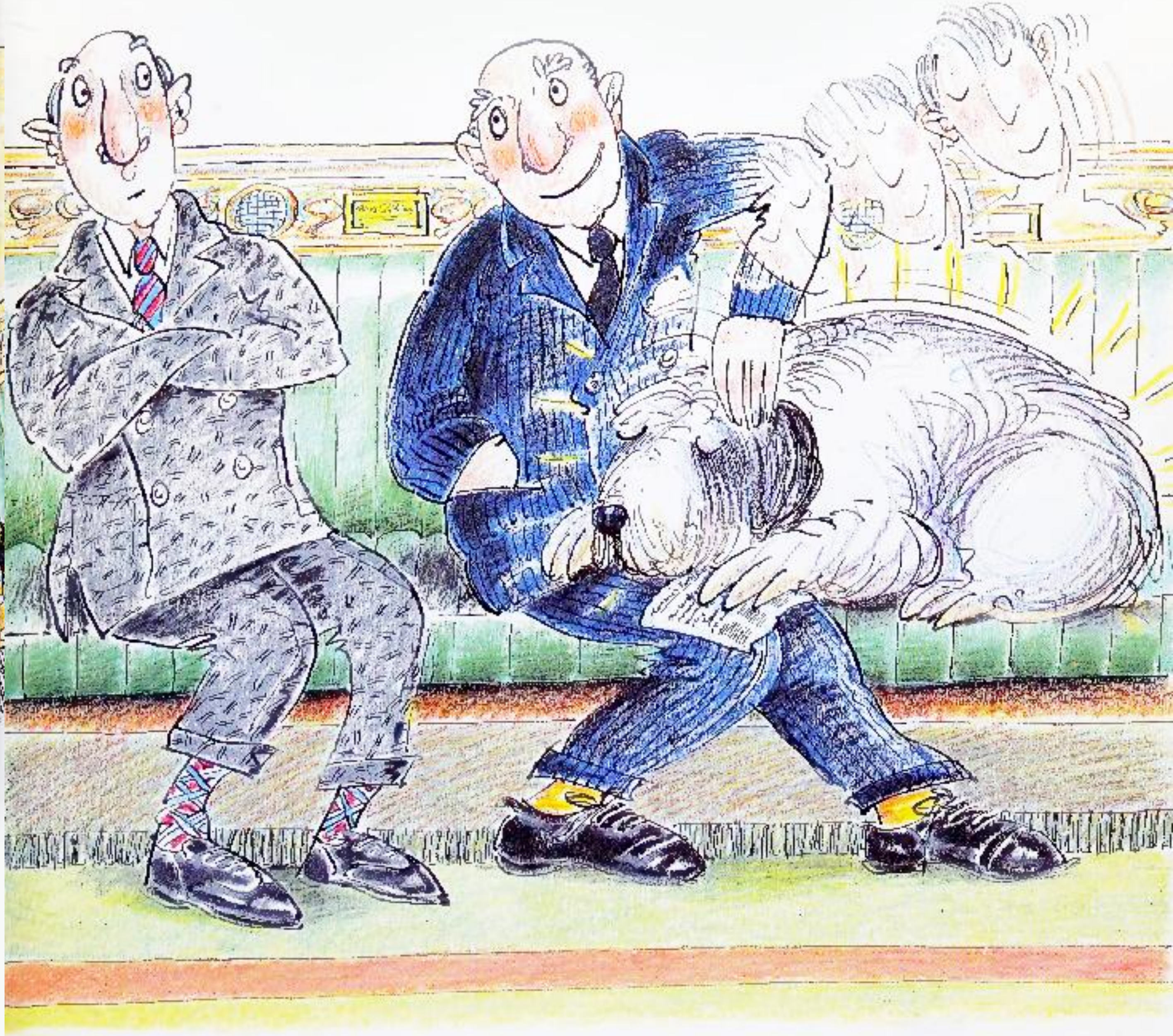
सिरिल, बैटरसी मेले में जाना चाहता था, लेकिन उसकी माँ ने कहा कि वह उसे बार-बार मेले ले जाकर थक चुकी हैं और अब समय आ गया है कि वह देखे कि देश कैसे चलाया जाता है।





सिरिल अपने मम्मी -पापा के साथ पब्लिक गैलरी में बैठा हुआ था. एक बहुत ही सुस्त और नीरस आदमी जिसकी छोटी सी मूँछें थीं, वो अर्थव्यवस्था का चित्रण करने में लगा हुआ था, लेकिन कोई उसको सुन नहीं रहा था, ज्यादार लोकसभा सदस्य सो रहे थे

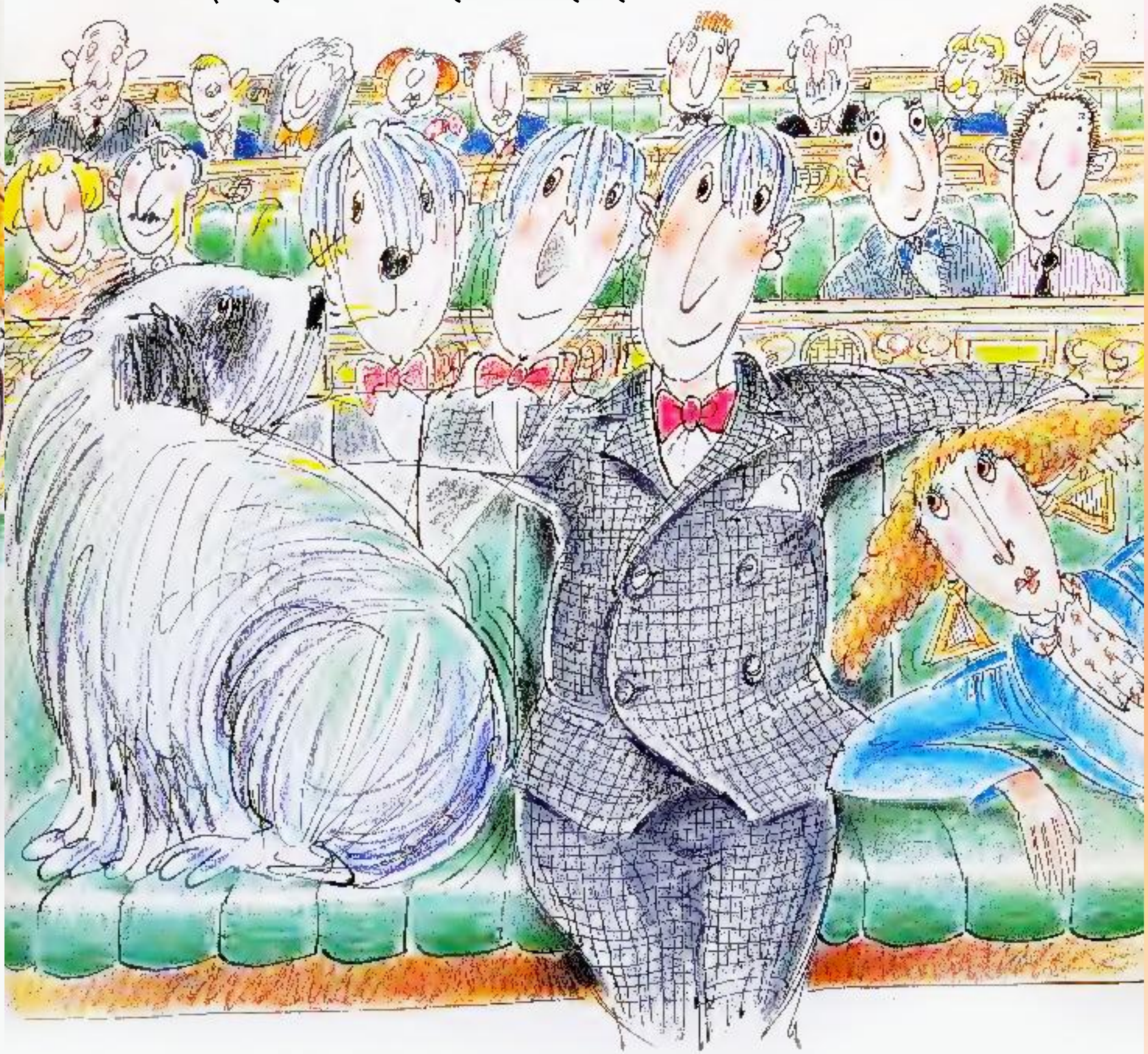
अब सिरिल एक बिल्कुल साधारण लड़का था, सिवाय इसके कि उसमें केवल देखने से लोगों को दूसरी चीज़ों में बदल पाने की शक्ति थी। सिरिल ने अपनी नज़र एक ऐसे आदमी पर डाली जो सो रहा था। कुछ ही पलों में वह आदमी (जो विपक्ष का सदस्य था) एक बड़ा सा सोता हुआ भेड़पालक कुत्ता बन गया।





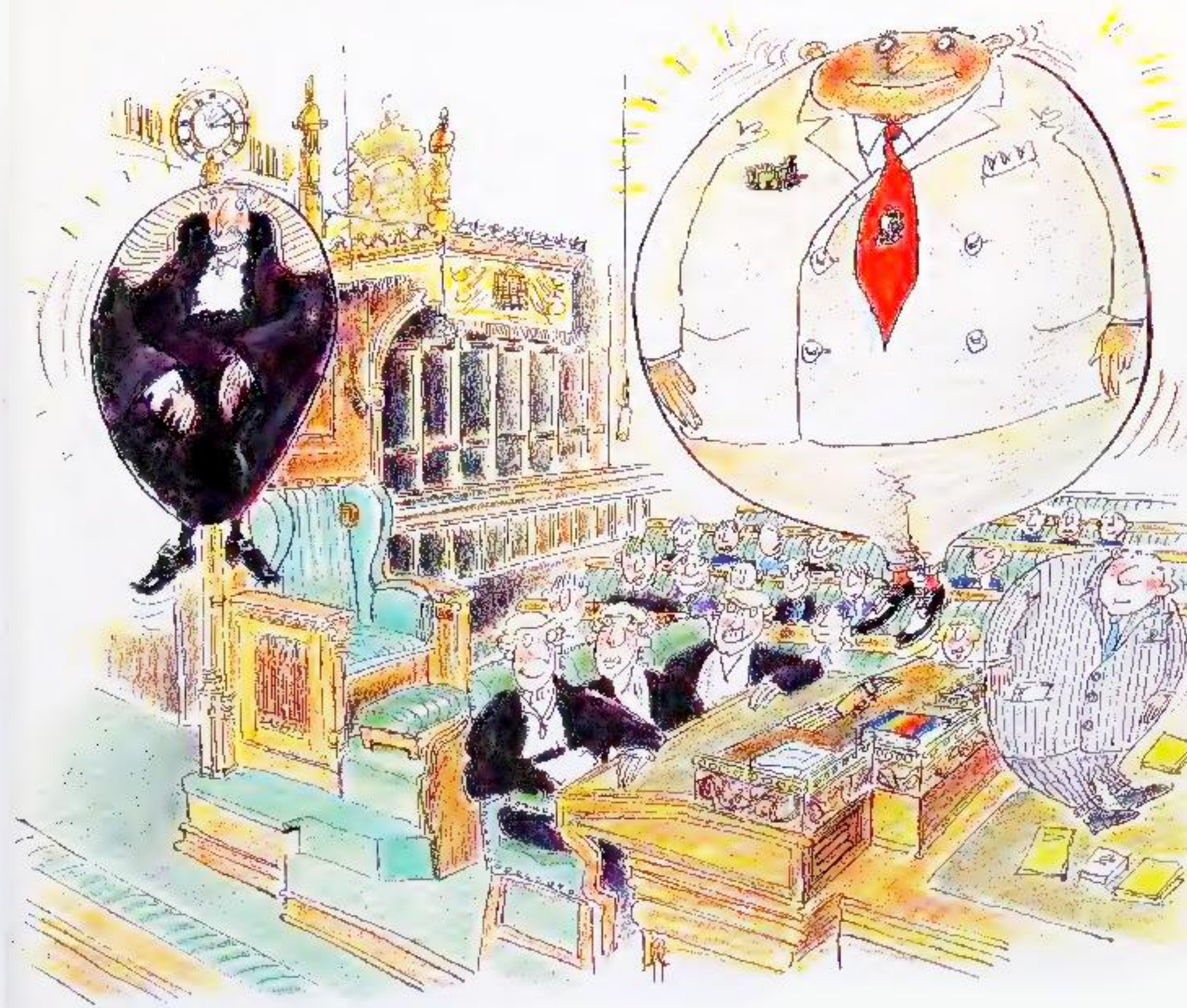
उसके पास बैठी एक अच्छी सी महिला, जो अर्थव्यवस्था को सुधारने में बहुत रुचि रखती थीं, ने अचानक उस कुत्ते को देखा और वो ज़ोर से चिल्ला पड़ीं।

सब लोग रुक गए और उसकी ओर देखने लगे। "सदन में कुत्ता है!" वह चिल्लाईं। तब तक सिरिल उस कुत्ते को वापस सैलिस्बरी के पास वाले कंज़र्वेटिव सदस्य में बदल चुका था, इसलिए किसी को समझ नहीं आया कि वह क्या कह रही थीं।



"कृपया माननीय सदस्य बहस के विषय पर ही रहें,"
स्पीकर ने कहा – ठीक उसके हवा में उड़ने से पहले।





"हे भगवान!" परिवहन मंत्री चिल्लाए, और वह भी फूलकर छूट गए और सदन में तैरने लगे।
दोनों इतने सुंदर लग रहे थे कि सिरिल ने सभी विपक्ष सदस्यों को भी गुब्बारों में बदलने का फैसला किया।

जब वे ऊपर की ओर तैरने लगे, तो सख्त चेहरे वाले सार्जेंट-एट-आर्म्स, जिनका काम सदन में व्यवस्था बनाए रखना था, आगे बढ़े और चिल्लाए: "घबराइए मत, मैं उन्हें पकड़ लूंगा!"

"अपना ध्यान रखो," विपक्ष के नेता की पत्नी चिल्लाई. उसको यह समझ नहीं में आ रहा था की कौन सा गुब्बारा उसका पति है।

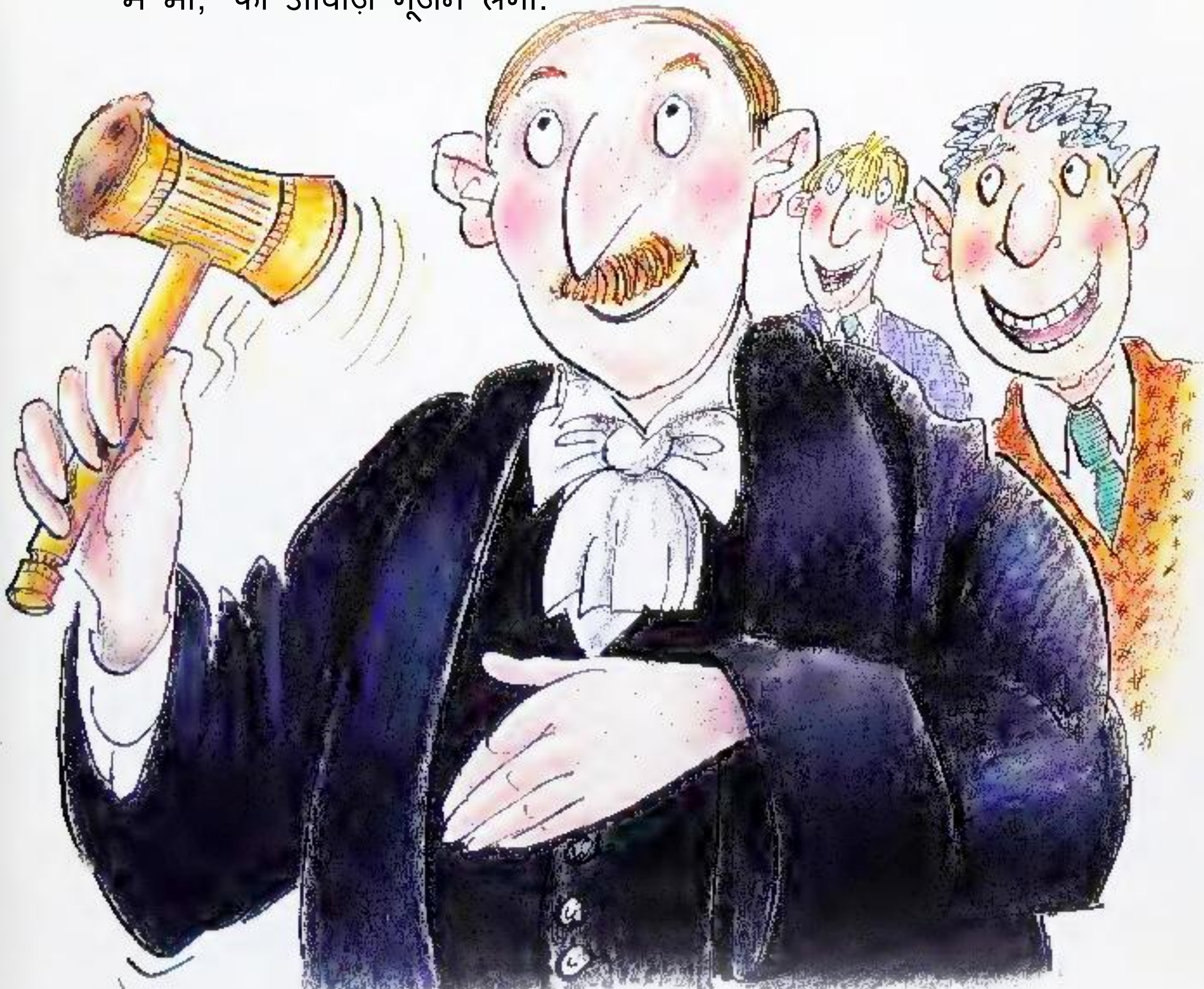
जैसे ही सिक्योरिटी चीफ सिरिल की तरफ भागा सिरिल ने उन्हें एक पूल में बदल दिया, एक फव्वारे के साथ।



उप-स्पीकर ने सोचा कि चूँकि उनके वरिष्ठ एक बड़े लाल-सफेद धारीदार गुब्बारे बन चुके हैं, इसलिए अब उन्हें ही ज़िम्मेदारी संभालनी चाहिए।
उन्होंने आदेश के लिए हथौड़ा मारा, लेकिन हुआ बस इतना कि उनके पीछे एक बड़ी घंटी बजने लगी।

"मै भी बजाऊगा!"

"मैं भी," की आवाज़ें गूंजने लगीं.





जल्द ही विपक्ष की आगे की पंक्ति के ज़्यादातर सदस्य हथौड़ा मार-मार कर घंटी बजाने लगे। इसी बीच एक गुब्बारा फट गया और मिठाइयाँ बरसने लगीं, और किसी ने तालाब में फिसलपट्टी बना दी।



“हमें तो यह व्यवस्था सालों पहले ही कर लेनी चाहिए थी!” स्पीकर के पास बैठे सदस्य चिल्लाए और तैराकी की पोशाक पहनकर तालाब में कूद पड़े।

गृह मंत्री बहुत गंभीरता से खड़े हुए और उँगली हिलाने लगे। “इस तरह का व्यवहार...,” वे इतना ही कह पाए थे कि सिरिल ने गृह मंत्री की ऊँगली को एक बड़े से गुड़िया के बाल में बदल दिया। “वाह - वाह!” बोलते हुए वो बैठ गए और मीठे को अपने मुँह में भरने लगे!





सिरिल ने संसद की सत्ता के सबसे महत्वपूर्ण प्रतीक “गदे” की ओर देखा। जैसे ही उसने देखा, गदा घूमने लगा और रुककर “बहुत चूमने लायक” पर इशारा करने लगा, जिसे देख प्रधानमंत्री शर्म से लाल हो गए।

कहीं एक कुत्ता भौंका और मूँछों वाला बहुत उबाऊ आदमी अर्थव्यवस्था सुधारने पर बोलता रहा।

जब विपक्ष की बेंचेस हिलने लगी, पहले धीरे धीरे फिर जोर पकड़ने लगी ,ऊपर-नीचे, तेज होती जा रही थी, और तेज। जल्दी ही कुर्सियां गोल गोल ऊपर नीचे सब तरफ घूमने लगी, फिर छपाक से पानी में गिर गईं जिसे देख सभी सदस्य चींखने-चिल्लाने लगे।

इतने शोर ने उन छह सदस्य को जगा दिया, जो कुछ भी नहीं कर रहे थे। सीरिअल को लगा उनको तो लकड़ी का बना देना चहिए, और सिरिल उनको लकड़ी में बदल दिया.

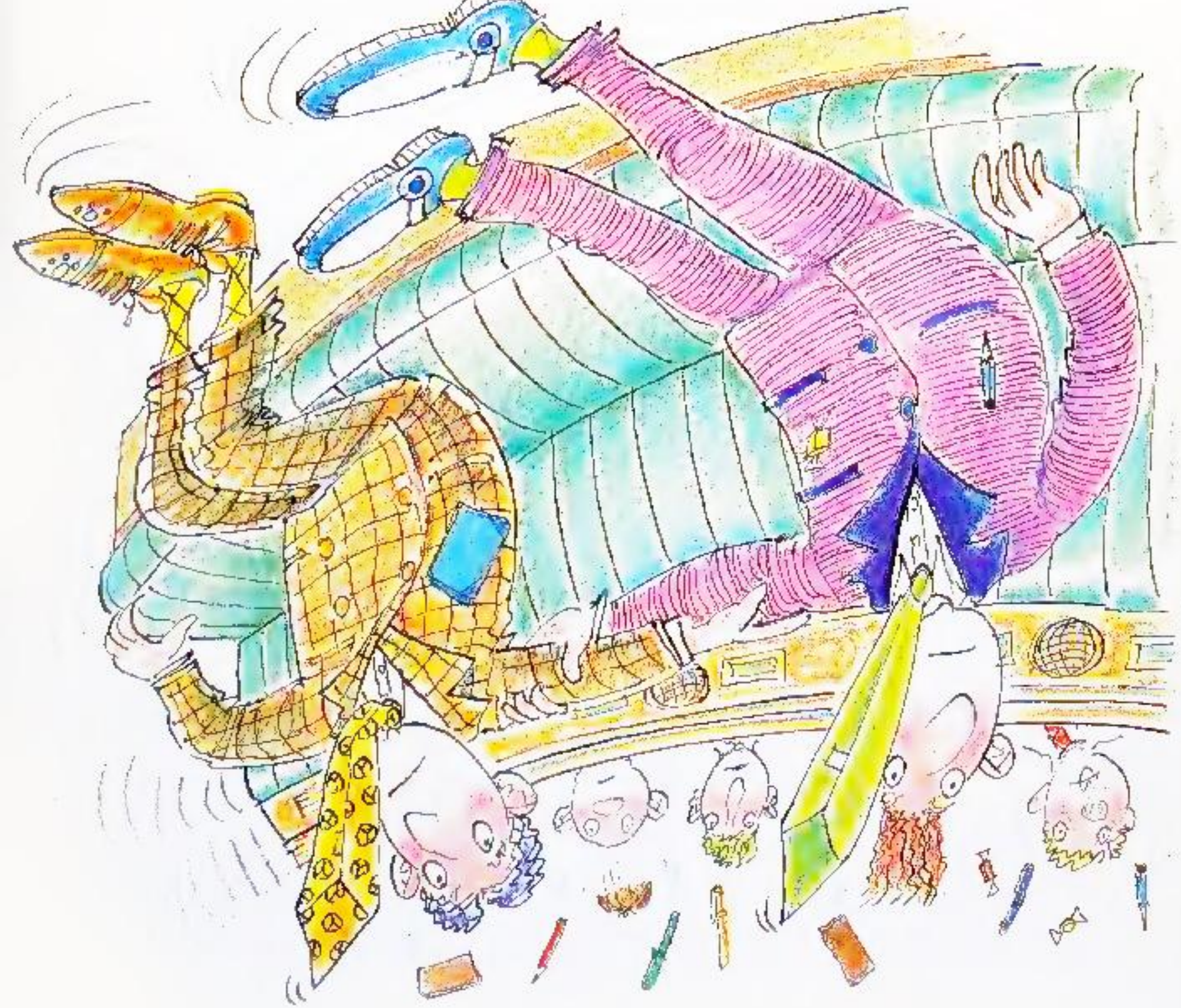


इन सबके बीच 'एस डी पी' सदस्य, जो अकेला महसूस कर रहे थे, अपने कागज़ हाथ में लेकर हवा में उड़ाते हुए, सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने लगे। सिरिल को उनके ऊपर दया आ गयी और उसने उनके कागज़ो को नारियल में बदल दिया, इस पर वह खुश होकर नारियल पीछे बैठे सदस्य के ऊपर फेकने लगे।





'मैं एक बात और कहना चाहता हूँ ......'.छोटी मूछो वाले आदमी ने कहना शुरू किया। वह अभी भी अर्थव्यवस्था के सुधार की बात करना चाहता था.



विपक्ष की कुर्सियां जोर-जोर से घूम रही थी और सदस्य अपनी जान बचने के लिए, कुर्सियों को जोर से पकडे हुए थे, वह लगातार ऊपर नीचे हो गए थे और उनके पेन, बटुए आदि जेब से निकल के बाहर गिर रहे थे।

ज्यादातर नेता पूल में कूद रहे थे और एक दूसरे पर पानी उछाल रहे थे. सब तरफ से छपाक-छपाक की आवाज़ें आ रही थीं। हर तरफ शोर हो रहा था. ऊपर के विपक्ष ने गुब्बारे फोड़े, कुछ खिलोने नीचे पूल में गिर पड़े। कृषि उद्योग नेता ने अपना हथोड़ा दो बार जोर से मारा, दो बार घंटी बजाई। इसपर उन्हें एक छोटी सुनहरी मछली इनाम में मिली।

इतना शोर हो रहा था कि सिरिल उस उबाऊ आदमी की बातें सुन ही नहीं पाया।
अब सिरिल की सच में अर्थव्यवस्था सुधारने में रुचि जग गई थी, इसलिए उसने सबको फिर से सामान्य बना दिया, जिससे की वह अर्थव्यवस्था की बात सुन पाए



लेकिन ऐसा करते ही उसके पिता ने ज़ोर की जम्हाई ली।
“मुझे तो यह सब बहुत उबाऊ लग रहा है, उन्होंने कहा।

"मैं भी बोर हो गयी, " सीरिल की माँ ने कहा।

और सिरिल के विरोध के बावजूद वे उसे बैटरसी मेले में ही ले गए।

